राग - भैरव

थाट भैरव है धा कोमल, धा रे स्वर संवाद।
प्रात समय मिल गाइये, सम्पूरन भैरव राग॥

परिचय -

थाट - भैरव
जाति - सम्पूर्ण
वादी - धैवत
संवादी - रिषभ
गायन समय - प्रातः काल चार से 7 बजे तक

आरोह - सा रे॒ ग म प ध॒ नि सां
अवरोह - सां नि ध॒ प म ग रे॒ सा
पकड़ - ग म ध॒ ऽ ध॒ ऽ प, म प ग म रे॒ ऽऽ रे॒ ऽऽ सा।

विशेषता - (1) यह अपने थाट का आश्रय राग है क्योंकि इस राग के आधार पर इसके थाट का नामकरण हुआ।

(2) इसे संधि प्रकाश राग भी कहते हैं।

(3) अवरोह में अधिकतर गंधार वक्र प्रयोग होता है।

(4) यह एक प्राचीन राग है। प्राचीन मतानुसार इसे राग की श्रेणी में रखा गया है न कि रागिनी।

(5) यह गंभीर एवं करुण प्रकृति का राग है।

Scanned with CamScanner

आलाप

1. सा ऽ- रे ऽऽ रे ऽऽ सा, ध़ नि़ सा रे ऽ रे ऽ सा, गऽ म रे ऽ रे ऽ सा ।

2. सा रे ग म प, ग म ध ऽ ध ऽ प, ध प म प ग म धऽऽ पऽऽऽ ग म प ऽ ग म ध ऽ प ऽ ग म रे ऽऽ रे ऽऽ सा ऽऽ ।

3. सा रे ग म ध ऽऽ प म प ध ऽ म प ध ऽऽ नि ऽऽ ध ऽऽ म प ग म ग ऽ ऽ रे ऽऽ सा ऽऽ ।

4. ग म ध ऽऽ ध ऽऽ नि सां ऽ रें ऽ रें ऽ सां, गं मं रें रें सां, गं रें सां रें ऽ सां नि ध ऽ ध ऽ प ग म रे ऽ रे ऽ सा, सां नि सां ध नि ध, प ध प, म प म, ग म रे ऽऽ ध ऽऽ ध ऽऽ प, म प, ग म ऽ ऽऽ रे ऽऽ रे ऽऽ सा ।

5. ग म ध नि ऽऽ ध ऽऽऽ ध ऽऽऽ प ध नि ध ऽऽ प ऽऽ म प म ध ऽऽऽ प ऽऽऽ म प ग म रे ऽऽऽ ग म रे ऽऽऽ म प ग म रे ऽऽ ग म प ग म रे ऽऽ सा ऽऽऽ ।

6. सा नि़ ध़ प़ ध़ ऽऽऽ ध़ ऽऽऽ नि सा रे ऽऽ रे ऽऽ ग म ध ऽऽ ध ऽऽ प ऽऽ ध म प ग म प ग म ध ऽऽ प, ग म प, ग म रे ऽऽऽ सा ऽऽऽ

Scanned with CamScanner